क्षत्रिय खटीक समाज हाड़ौती संभाग के शपथ ग्रहण समारोह में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

क्षत्रिय खटीक समाज, हाड़ौती संभाग की नवगठित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में आप सबके बीच आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। मैं कार्यकारिणी के सभी नए पदाधिकारियों को इस अवसर पर बधाई देता हूँ। आप समाज के कल्याण के लिए निरंतर काम करते रहें, समाज को सही दिशा में आगे बढ़ाते रहे, इसके लिए अनेक शुभकामनाएं। आज इस कार्यक्रम में उपस्थित कोटा – बारा – बूंदी – झालावाड़ के सभी लोगों का अभिवादन करता हूँ।

समाज के अथक प्रयासों से आज यहाँ पर संत दुर्बल नाथ जी महाराज बालिका छात्रावास का निर्माण कार्य शुरू हुआ है। आज छात्रावास के भूमिपूजन के अवसर पर सभी समाज बंधुओं को बधाई और शुभकामनाएं। इससे पहले से कोटा के रंगबाड़ी में संत परमानन्द भारती बालक छात्रावास का संचालन भी हो रहा है। जहां से समाज के बालक पढ़-लिखकर आगे बढ़ रहे हैं।

आज यहाँ पर युवक – युवती परिचय सम्मेलन का भी आयोजन किया जा रहा है। मैं इसके लिए भी समाज के सभी जनों को शुभकामनाएं देता हूँ। समाज का यह विचार अत्यंत सराहनीय है। आधुनिक है और प्रगतिशील है। मुझे खुशी हो रही है यह देखकर कि क्षत्रिय खटीक समाज निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

आज इस सम्मेलन का उद्देश्य विवाह योग्य युवकों और युवतियों को अपना भावी जीवनसाथी चुनने के लिए समाज का एक साझा मंच उपलब्ध कराना है। यह समाज की प्रगतिशील सोच है। यह समाज के हर व्यक्ति के हित की सोच है। समाज में आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति हो या सम्पन्न व्यक्ति, यहाँ सामूहिक सम्मेलन में जब सभी भागीदारी करते हैं तो इससे सद्भाव और सहयोग का वातावरण बनाता है। इससे समाज की एकजुटता प्रदर्शित होती है।

मैं सदैव सामूहिक विवाह और परिचय सम्मेलनों का पक्षधर रहा हूँ। इन सम्मेलनों से कई घर-परिवारों पर अधिक आर्थिक भार नहीं पड़ता है। जीवन में जनम, परण और मरण वास्तविकता है। इन अवसरों पर सामूहिकता से कम खर्च में जो काम हो सकता है, वह

सबसे बढ़िया है। क्षत्रिय खटीक समाज हमारे ना सिर्फ हाड़ौती बल्कि हमारे प्रदेश और देश का एक बड़ा समाज है। शिक्षा, खेल, राजनीति, व्यापार और समाज से जुड़े कई क्षेत्रों में खटीक समाज के युवा आज अच्छा काम कर रहे हैं। मुझे हमेशा से समाज का साथ और सहयोग मिलता रहा है। मैं पहले भी आपके कार्यक्रमों में आता रहा हूँ, और समाज की विकास यात्रा का साक्षी रहा हूँ।

मैंने देखा है कि पिछले कुछ वर्षों में धीरे-धीरे समाज के युवाओं ने अच्छी शिक्षा हासिल की है। पढ़ाई करके युवा नौकरी लगे हैं। एक समय था जब शिक्षा क्षेत्र में समाज की स्थिति अच्छी नहीं थी, लेकिन धीरे धीरे समाज सकारात्मक बदलाव की तरफ़ बढ़ा है। हमारा कोटा शिक्षा नागरी के रूप में पूरे देश में जाना जाता है। यहाँ देशभर से बच्चे आकर आईआईटी और मेडिकल में प्रवेश के लिए कोचिंग करते हैं। आज मैं देखता हूँ कि यहाँ से कोचिंग कर समाज के बालक-बालिकाएं इंजीनियरिंग और मेडिकल में सलेक्ट हो रहे हैं। उच्च शिक्षा में, रिसर्च, अनुसंधान और पीएचडी जैसे क्षेत्रों में समाज के युवाओं की संख्या धीरे-धीरे ही सही, लेकिन बढ़ रही है। समाज की बालिकाएं भी शिक्षा क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। मुझे विश्वास है कि जब यहाँ पर हॉस्टल का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा, उसके बाद अधिक से अधिक बालिकाओं को पढ़ाई के क्षेत्र में प्रोत्साहन मिलेगा।

इस कार्यक्रम में युवाओं की संख्या अच्छी-खासी है, और समाज को आगे बढ़ाने वाले जिम्मेदार लोग भी इस मंच पर बैठे हैं। मैं समाज के युवाओं और जिम्मेदार लोगों से यही अपील करूंगा कि आप सामूहिक प्रयासों से समाज को आगे बढ़ाने के लिए काम करें। उच्च शिक्षा में समाज के विकास के लिए काम करें। युवाओं की आधुनिक सोच को लेकर समाज के जिम्मेदार लोग काम करें।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि समाज में इस प्रकार के युवक-युवती परिचय सम्मेलनों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए । इस प्रकार की सामूहिक सभा समुदाय की लोक संस्कृति को पुनर्जीवित करती है। इससे हमारे युवाओं में आत्मविश्वास का विकास होता है, उनके व्यक्तित्व का विकास होता है और उन्हें समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी का भी बोध होता है।

इन सम्मेलनों से न केवल समय और पैसे की बचत होती है, बल्कि हमारा सामाजिक ताना-बाना भी मजबूत होता है। युवक-युवती परिचय सम्मेलन वर्तमान के साथ भविष्य की जरूरत भी हैं। ये सम्मेलन दहेज प्रथा, जैसी सामाजिक बुराइयों के खत्म करने और सामाजिक समानता और सद्भावना को बढ़ावा देने में भी प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। इन

सम्मेलनों के आयोजन से समाज में समानता आती है। साधारण परिवारों के पास जो धन की बचत होती है, उसका उपयोग कर वे अपने बच्चों को शिक्षित और संस्कारी बना सकते हैं, उच्च शिक्षा दे सकते हैं।

इतिहास हमें दिखाता है कि मानव जीवन के सामजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, राजनीतिक और आर्थिक पहलुओं को प्रभावित करने में शिक्षा की प्रमुख भूमिका रही है। हमारे राष्ट्र का समग्र विकास केवल तभी संभव है जब कमज़ोर वर्गों को शिक्षा सहज रूप से सुलभ हो पाए। शिक्षा केवल गरीबी के उन्मूलन और निरक्षरता को समाप्त करने के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इससे लोगों का समग्र विकास होता है और वे सशक्त बनते हैं।

आज इस सम्मेलन में मैं आप सभी को एक ही मैसेज देना चाहूँगा कि बालकों के साथ साथ अपनी बालिकाओं को भी खूब पढ़ाएं। हमारी बच्चियों को हम पढ़ने-लिखने और आगे बढ़ने का भरपूर मौका दें। शिक्षा में देरी और कटौती नहीं होनी चाहिए। आज का समय वो है जब बालिकाएं सेना में भी है, संचार में भी है। मीडिया से लेकर मार्केटिंग आईऊर मेडिकल से लेकर टेक्नोलॉजी तक जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा के बल पर अपना स्थान बनाया है। आज जब हमारी बालिकाएं फाइटर प्लेन उड़ा रही है तब हमें इस सोच को दूर फेंकना होगा कि "लड़की पढ़-लिखकर क्या करेगी"?

एक लड़की जब पढ़ जाती है तो अपने साथ-साथ वो कई परिवारों का भविष्य सुशिक्षित और सुरक्षित कर देती है। आज देश के शीर्ष पद पर एक महिला बैठी हैं। यह हमारे लिए बड़े सम्मान और प्रेरणा का विषय है। बाबा साहब ने भी समाज की प्रगति के लिए शिक्षा पर ही सर्वाधिक जोर दिया था।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं एक बार फिर आप सभी को बधाई देता हूँ। समाज के समस्त युवाओं को मेरा आशीर्वाद। सभी प्रतिभाशाली युवाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अनेक शुभकामनाएं देता हूँ।

मुझे विश्वास है कि यह सम्मेलन हमारे देश, प्रदेश और हाड़ौती को सामाजिक, आर्थिक रूप से विकसित और समृद्ध बनाएगा। खटीक समाज अन्य समाजों के सामने प्रगतिशील सोच और सार्थक कार्यों के उदाहरण प्रस्तुत करेगा। यही आशा है।

आप सभी को शुभकामनाएं। जय महात्मा फूले।